



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 368]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 16, 1977/कार्तिक 25, 1899

No. 368]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 16, 1977/KARTIKA 25, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th November 1977

**G.S.R. 703(E).**—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), in the circumstances which in the opinion of the Central Government render it necessary to make rules without consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be effected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after 10 days of its publication in the Gazette of India. Any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft rules on or before the date so specified shall be considered by the Central Government

#### Draft Rules

In exercise of the powers conferred by section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:—

1 These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1977.

2 In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Rule 44, after the existing provisos, the following proviso shall be inserted, namely —

“Provided further that clause (e) shall remain inoperative in respect of admixture of rape-seed oil with mustard oil to be processed and sold by the Government of India in the Ministry of Civil Supplies, or their authorised agents, for a period of one year from the date of commencement of the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1977. The proportion of the two oils in the mixture shall be indicated on the label on the container in which the mixture of the aforesaid oils is sold.”

[No P 15016/3/77-PH(F&N)]

N N. VOHRA, Jt. Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

### (स्वास्थ्य विभाग)

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1977

सांका०नि० 703(अ).—केन्द्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए, कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन परिस्थितियों में बनाना चाहती है जिनमें वह केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श किए बिना इन नियमों का बनाना आवश्यक समझती है। जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (1) में अपेक्षित है, उक्त प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन के दस दिन के पश्चात विचार किया जाएगा। इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

#### नियमों का प्रारूप

केन्द्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. इन नियमों का नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1977 है।
2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के नियम 44 में विद्यमान परन्तुकों के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“परन्तु यह और कि खंड (ऊ) भारत सरकार के नागरिक पूर्ति मंत्रालय अथवा उसके प्राधिकृत अधिकर्ताओं द्वारा प्रसंस्कृत किए और बेचे जाने वाले उस मिश्रण की बाबत, जो रेप-सीड तेल को सरसों के तेल से मिलाकर बनता है, खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1977 के प्रारम्भ की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक के लिए अप्रवर्तनशील

बना रहेगा। मिश्रण के दोनो तेलो का अनुपात उस आधार पर, जिसमे पूर्वोक्त तेलों का मिश्रण बेचा जाता है, लगे लेबल पर उपदर्शित किया जाएगा।”

[स० पी 15016/3/77—पी०एच० (एफ एण्ड एन)]

नरिन्दर नाथ बोहरा, सयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा निर्यंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

